A–1041

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL(N)-220

उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. श्री हरिनारायण दीक्षित के जीवनवृत्त तथा उनके व्यक्तित्व की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. भट्ट मथुरानाथ शास्त्री का आधुनिक संस्कृत काव्यशास्त्र में क्या योगदान है ? विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. जगदीश प्रसाद सेमवाल का जीवनवृत्त एवं उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए।

4. महाकवि निरंजनमिश्र का जीवनवृत्त एवं उनकी कृतियों का परिचय दीजिए।

5. कुमाऊँ के प्राचीन साहित्यकारों का विस्तार से परिचय दीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पंडित नित्यानाद पन्त 'पर्वतीय' का परिचय दीजिए।

2. 'दयाद्यम्' नाटक का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित पद्य की हिन्दी में व्याख्या कीजिए–

व्यासः पुराणानि लिलेख यत्र

द्रोणः शिशून् पाठयति स्म यत्र।

यत्राभ्रमन्नाटकलेखदक्षो

मान्यः कवीनां कविताविलासः॥

4. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

पार्थः स्वयं यत्र तपः प्रभावा-

दवाप शस्त्रं जगदेकवन्द्यम्।

शकुन्तलासिञ्चितपादपानां

यत्राधुनाऽप्यस्ति विहारलीला॥

5. 'देवतात्मा हिमालय' महाकाव्य के चतुर्थ अंक का कथानक लिखिए।

6. ग्वल्लदेवचरितम् का सामान्य परिचय अपने शब्दों में लिखिए।

7. संस्कृत मासिक पत्र-पत्रिकाओं के बारे में समझाइए।

8. 'रेडियो रुपक' का शिक्षा में क्या योगदान रहा है ? स्पष्ट कीजिए।

****